अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

संख्या 168 श्री विजय पुरम, शनिवार, 21 जून 2025 web: www. andam

ननकौड़ी द्वीप समूह में निकोबारी किसानों को प्रशिक्षण दिया गया

श्री विजय पुरम 20 जून।

आईसीएआर–केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान, गाराचरामा के एक वैज्ञानिक ने 16 से 18 जून, 2025 के बीच ननकौड़ी का दौरा किया और निकोबारी के आदिवासी किसानों के लिए "उन्नत कंद फसल की खेती और मूल्य संवर्धन" पर क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए।

कार्यक्रम के दौरान, वरिष्ठ वैज्ञानिक (एगो वानिकी) और अखिल भारतीय समन्वित कंद फसलों पर अनुसंधान परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. आई. जयशंकर ने कंद की विविधता और इसके संरक्षण के तरीकों, जैविक कंद फसल की खेती, कंद की खेती के लिए रोपण और कृषि संबंधी तरीकों, पुनर्योजी कृषि, सुअर पालन के लिए कंद आधारित चारा तैयार करना, शकरकंद आधारित उत्पाद तैयार करना, सीआईएआरआई तकनीक और जैविक अपशिष्ट प्रबंधन और कंद फसलों में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के तहत निकोबार द्वीप समूह में मानसून के मौसम में लचीली खेती के लिए मिट्टी और जल संरक्षण तकनीकों पर जागरूकता कार्यक्रम के अलावा, महिला किसानों को द्वीप पत्ता विभाजक (50) का प्रदर्शन और वितरण किया गया और नारियल के पत्तों से

मध्य पसली निकालने की विधि और कार्य को समझाया गया। कार्यक्रम का समन्वय कार निकोबार के कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार, एनआरएम के वैज्ञानिक डॉ. अभिलाष और श्री तलाविया हर्षंग कुमार ने किया। सभी को 500 शकरकंद की जड़ वाली कटिंग और 500 टैपिओका सेट दिए गए। ननकौड़ी द्वीप के सानू, कामोर्टा, विकास नगर, बड़ा एनाका और मुनक गांवों के कुल 118 किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। पूरा कार्यक्रम सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। सीआईएआरआई की प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।